सोना-चांदी ने बनाए नए रिकार्ड

2,883 रुपए महंगा हुआ सोना

15 हजार रुपए उछाल आई चांदी में

नई दिल्ली, 12 जनवरी. भारतीय सर्राफा बाजार में सोना और चांदी की चमक हर दिन नई ऊंचाइयों को छू रही है. निवेशकों और आम खरीदारों दोनों के लिए चौंकाने वाली खबर यह है कि 24 कैरेट सोने का भाव अब 1 लाख 40 हजार रुपये प्रति 10 ग्राम के पार पहुंच गया है, चांदी की कीमत 2 लाख 57 हजार रुपये प्रति किलो के ऊपर निकल गई है.

बीते कुछ कारोबारी सत्रों से जारी तेजी सोमवार को और तेज हो गई, जिससे बाजार में हलचल मच गई. इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन के आंकड़ों के मुताबिक सिर्फ एक दिन में ही सोने और चांदी दोनों में भारी बढ़ोतरी दर्ज की गई है. सुरक्षित निवेश की बढ़ती मांग, वैश्विक अनिश्चितता और रुपये में उतार-चढ़ाव के बीच निवेशक तेजी से कीमती धातुओं की ओर रुख कर रहे हैं. इसका सीधा असर दामों पर दिख रहा है और अब सोना-चांदी नए रिकॉर्ड स्तर पर कारोबार कर रहे हैं. सोमवार, 12 जनवरी 2026 को सर्राफा बाजार में सोना और चांदी दोनों ने नई ऊंचाई छू ली. 999 शुद्धता वाला 24 कैरेट सोना 1,40,005 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया, जबकि 995 शुद्धता वाला सोना 1,39,444 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज किया गया. वहीं 916 शुद्धता यानी 22 कैरेट सोने का भाव भी 1,28,245 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया, जो आम उपभोक्ताओं के लिए बड़ी कीमत मानी जा रही है. बीते कारोबारी दिन यानी शुक्रवार शाम के मुकाबले सोमवार सुबह 24 कैरेट सोना 2,883 रुपये महंगा हुआ है. 23 कैरेट सोने में 2,871 रुपये, 22 कैरेट में 2,641 रुपये, 18 कैरेट में 2,162 रुपये, 14 कैरेट में 1,687 रुपये की तेजी दर्ज की गई है.

> अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भी कीमती धातुओं की कीमतें ऊंचे स्तर पर बनी हुई हैं, जिसका असर सीधे भारतीय बाजार पर पड़ रहा है. आईबीजेए की आधिकारिक वेबसाइट पर सोमवार से शुक्रवार रोज सुबह और शाम के भाव जारी किए जाते हैं, और मौजूदा आंकड़े यह साफ दिखा रहे हैं कि कीमती धातुओं में तेजी का दौर अभी थमने वाला नहीं है.

खुदरा मुद्रास्फीति नरम बनी रही

नई दिल्ली, 12 जनवरी. सब्जियों और दालों की कीमतों में एक साल पहले की तुलना में गिरावट के कारण दिसंबर 2025 में भी खुदरा मुद्रास्फीति की दर 1.33 प्रतिशत पर नरम बनी रही. इससे पहले, नवंबर में यह 0.71 प्रतिशत और अक्टूबर में 0.25 प्रतिशत थी. वहीं, दिसंबर 2024 में यह 8.39 प्रतिशत रही थी. फलों, दूध, मांसाहार और खाद्य तेलों की कीमतों में अपेक्षाकृत अधिक वृद्धि के बावजूद सब्जियों और दालों की कीमतों में सालाना आधार पर दहाई अंक की गिरावट से खाद्य मुद्रास्फीति लगातार सातवें महीने शून्य से नीचे रही. दिसंबर में यह शून्य से 2.71 प्रतिशत नीचे दर्ज की गयी. नवंबर में खाद्य मुद्रास्फीति शून्य से 3.91 प्रतिशत नीचे थी जबकि दिसंबर 2024 में 5.22 प्रतिशत ऊपर दर्ज की गयी थी.

क्रिप्टो पर सरकार का शिकंजा

क्रिप्टो एक्सचेंजों पर कड़े केवाईसी नियम लागू

नए नियमों से ऐसी धोखाधड़ी पर लगेगी रोक

नई दिल्ली, 12 जनवरी. भारत में क्रिप्टोकरेंसी को लेकर सरकार अब किसी भी तरह की ढील देने के मूड में नहीं है. अवैध लेनदेन, मनी लॉन्ड्रिंग और आतंकवाद के वित्तपोषण जैसी गतिविधियों पर लगाम लगाने के लिए वित्तीय खुफिया इकाई (एफआईयू) ने क्रिप्टो एक्सचेंजों के लिए बेहद सख्त नए नियम लागू कर दिए हैं.

इन नियमों के तहत अब क्रिप्टो प्लेटफॉर्म पर नया खाता बनाने वाले यूजर्स को सिर्फ दस्तावेज अपलोड करने से काम नहीं चलेगा, बल्कि उन्हें लाइवनेस डिटेक्शन के साथ सेल्फी, जियो टैगिंग और बैंक खाते का सत्यापन भी कराना होगा. इसका सीधा असर उन लाखों भारतीय निवेशकों पर पड़ेगा जो डिजिटल करेंसी में ट्रेडिंग करते हैं. सरकार का मानना है कि अब तक कई लोग फर्जी पहचान, फोटो या यहां तक कि डीपफेक तकनीक के जरिए भी खाते खोलकर गलत गतिविधियों को अंजाम दे रहे थे. नए नियमों से ऐसी धोखाधड़ी पर रोक लगेगी और असली यूजर की पहचान सुनिश्चित की जा सकेगी. वित्तीय खुफिया इकाई (एफआईयू) ने जनवरी में क्रिप्टोकरेंसी एक्सचेंजों के लिए अपडेटेड एंटी मनी लॉन्ड्रिंग (एएमएल) और काउंटर टेरर फाइनेंसिंग (सीएफटी) दिशानिर्देश जारी किए हैं.

> अब क्रिप्टो प्लेटफॉर्म पर किसी भी नए यूजर को ऑनबोर्ड करते समय पैन कार्ड, लाइवनेस डिटेक्शन वाली सेल्फी, जियो टैगिंग के साथ आईपी एड्रेस और बैंक खाते का पेनी-ड्रॉप तरीके से सत्यापन करना अनिवार्य होगा. इसका मतलब है कि यूजर को अपनी लाइव फोटो देनी होगी, जिसमें उसे पलक झपकाने या सिर हिलाने जैसे निर्देश दिए जाएंगे, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि कोई फोटो, वीडियो या डीपफेक का इस्तेमाल नहीं किया गया है.

शिक्षा संस्थानों की आय में दो अंकों की बढ़त

मुंबई, 12 जनवरी. नामांकन और फीस वृद्धि के कारण चालू वित्त वर्ष में देश के शैक्षणिक संस्थानों की आमदनी चालू वित्त वर्ष में 11 प्रतिशत से 13 प्रतिशत के बीच बढ़ने की संभावना है. बाजार अध्ययन एवं साख निर्धारक एजेंसी ने सोमवार को जारी रिपोर्ट में यह बात कही गयी है.

इसमें कहा गया है कि आय बढ़ने के बावजूद कंपनियों का परिचालन लाभ 27-28 प्रतिशत पर स्थिर रहेगा. इसके पीछे नये कर्मचारियों की नियुक्ति, उनके वेतन और अन्य मदों में संबंधित खर्च को मुख्य कारण बताया गया है. क्रिसिल का तर्क है कि लोगों के पास अब खर्च योग्य आय पहले से अधिक है और वे बच्चों की शिक्षा पर ज्यादा खर्च कर रहे हैं.

यह लगातार पांचवां साल होगा जब शैक्षणिक संस्थानों की आमदनी की वृद्धि दर दहाई अंक में रहेगी. वहीं, ज्यादा छात्रों के लिए संस्थानों को अपनी क्षमता में भी विस्तार करना होगा. एजेंसी ने किंडर गार्टन से 12वीं तक (के-12) और उच्च शिक्षा के कुल 107 संस्थानों की वित्तीय स्थितियों के आंकलन के आधार पर यह रिपोर्ट तैयार की है.

चावल, चीनी, दालों के दाम बढ़े गेहूं नरम खाद्य तेलों में घट-बढ़

नई दिल्ली, 12 जनवरी (वार्ता) घरेलू थोक जिंस बाजारों में सोमवार को चावल के औसत भाव बढ़ गये. चावल के साथ चीनी और दालों में भी तेजी रही. वहीं, गेहूं में नरमी का रुख रहा जबकि खाद्य तेलों की कीमतों में उतार-चढ़ाव देखा गया. औसत दर्जे के चावल की औसत कीमत 95 रुपये बढ़कर 3,843 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गयी. गेहूं 16 रुपये सस्ता हुआ और 2,857 रुपये प्रति क्विंटल पर रहा. आटे की कीमत भी 16 रुपये घट गयी. दाल-दलहनों में तेजी रही. तुअर दाल की औसत कीमत 244 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गयी. चना दाल 184 रुपये और मसूर दाल 124 रुपये प्रति क्विंटल महंगी हुई.

शेयर बाजारों में उतार-चढ़ाव जारी

मुंबई, 12 जनवरी. घरेलू शेयर बाजारों में सोमवार को उतार-चढ़ाव के बीच दोपहर बाद हुई लिवाली से प्रमुख सूचकांक हरे निशान में बंद हुए.

बीएसई के 30 शेयरों वाले संवेदी सूचकांक सेंसेक्स में दिन के दौरान 1,101 अंक का उतार-चढ़ाव देखा गया. सुबह के कारोबार में यह नीचे 82,861.07 अंक तक उतर गया था, लेकिन दोपहर बाद हुई लिवाली से 83,962.33 अंक तक चढ़ने में कामयाब रहा. अंत में पिछले दिवस की तुलना में 301.93 अंक (0.36 प्रतिशत) की बढ़त के साथ 83,878.17 अंक पर बंद हुआ. नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी-50 सूचकांक भी शुरुआती गिरावट से उबरते हुए 106.95 अंक यानी 0.42 प्रतिशत ऊपर 25,790.25 अंक पर रहा. दोनों प्रमुख सूचकांक पिछले सप्ताह पांच दिन में करीब 2.5 प्रतिशत गिरे थे.

दिग्गज कंपनियों के विपरीत वृहत बाजार में गिरावट रही. मझौली कंपनियों का निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 0.06 प्रतिशत और छोटी कंपनियों का स्मॉलकैप-100 सूचकांक 0.52 प्रतिशत टूट गया. एनएसई में कुल 3,237 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ. इनमें 1,891 के शेयरों में गिरावट और 1,247 में तेजी रही. अन्य 99 कंपनियों के शेयर दिनभर के उतार-चढ़ाव के बाद स्थिर बंद हुए. धातु, तेल एवं गैस, बैंकिंग, एफएमसीजी और वित्तीय कंपनियों में लिवाली का जोर रहा.

> सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से 25 के शेयरों में तेजी और अन्य पांच में गिरावट रही. इंफोसिस का शेयर 1.16 प्रतिशत टूटा. बजाज फाइनेंस में भी 0.93 फीसदी की गिरावट रही. टाटा स्टील का शेयर 2.75 प्रतिशत और एशियन पेंट्स का 2.54 प्रतिशत चढ़ा. ट्रेंट में 2.05 प्रतिशत और भारतीय स्टेट बैंक में 1.51 फीसदी की तेजी रही. हिंदुस्तान यूनीलिवर का शेयर 1.36 फीसदी और अल्ट्राटेक सीमेंट का 1.26 फीसदी चढ़ा. टीसीएस, भारती एयरटेल, टाइटन, अडानी पोर्ट्स, सनफार्मा, आईटीसी, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, महिंद्रा एंड महिंद्रा और इटरनल के शेयर भी हरे निशान में बंद हुए.

धौलावीरा से मोरबी तक सिरेमिक की वैश्विक पहचान

गुजरात की मिट्टी से भारत की औद्योगिक ताकत दुनिया में चमक रही : पीयूष गोयल

राजकोट, 12 जनवरी. वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने सोमवार को कहा कि सौराष्ट्र क्षेत्र की 5,000 वर्ष पुरानी धौलावीरा कुम्हार परंपरा से लेकर मोरबी के आधुनिक सिरेमिक उद्योग तक, गुजरात की मिट्टी आज वैश्विक बाजार में भारत की पहचान बना रही है.

उन्होंने वायब्रेंट गुजरात क्षेत्रीय सम्मेलन में एक सत्र को संबोधित करते हुए कहा, नवाचार, तकनीक और निवेश के संगम से सिरेमिक सेक्टर ईवी, हेल्थकेयर और ग्रीन टेक में नई उड़ान भर रहा है. विकसित भारत 2047 की यात्रा में यह क्षेत्र निर्णायक भूमिका निभा रहा है. यह सत्र सिरेमिक उद्योग पर केंद्रित थी. केंद्र वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री ने कहा सूक्ष्म, लघु और मझोले उद्यमों के 225 से अधिक संकुल, 12 हजार से अधिक स्टार्टअप, मजबूत लॉजिस्टिक्स और बेजोड़ उद्यमशीलता के साथ सौराष्ट्र, वैश्विक प्रतिस्पर्धी विनिर्माण केंद्र बनकर विकसित भारत 2047 की दिशा तय कर रहा है.

श्री गोयल ने कहा कि वाइब्रेंट गुजरात के 22 वर्ष प्रधानमंत्री मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व की जीवंत गाथा हैं. गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में श्री मोदी ने 2003 में यह शुरुआत की थी. वह छोटा सा बीज आज मुख्यमंत्री भूपेंद्र भाई पटेल के सक्षम नेतृत्व में एक वटवृक्ष बनकर उद्योग, लघु और मझोली इकाइयों , स्टार्टअप इकाइयों और नवाचार के वैश्विक केंद्र के रूप में केवल गुजरात को ही नहीं, बल्कि पूरे भारत को विश्व से जोड़ रहा है.

श्री गोयल ने सौर ऊर्जा पर आयोजित एक सत्र को भी संबोधित किया जिसमें कुसुम तथा पीएम सूर्यघर -मुफ्त बिजली योजना कार्यक्रम को भी संबोधित किया. उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री पटेल के सशक्त नेतृत्व में गुजरात देश का प्रमुख निवेश गंतव्य बनकर निरंतर सशक्त हो रहा है.

> वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री ने कहा कि विश्वस्तरीय अवसंरचना, निवेशक-अनुकूल नीतियों, नवीकरणीय ऊर्जा में अग्रणी भूमिका, गुजरात जन विश्वास अधिनियम और सौराष्ट्र-कच्छ की कर्मठ भावना के साथ गुजरात विकसित भारत का मजबूत स्तंभ बन रहा है. श्री गोयल ने मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल सरकार के कार्यों की तारीफ करते हुए कहा कि वह विकसित गुजरात के लिए अपनी सरकार के प्रयासों से विकसित भारत की प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दूरदर्शी सोच और संकल्प को गति दे रहे हैं.

जियोब्लैकरॉक ने लॉन्च की अपनी वेबसाइट

निवेश के बारे में उपलब्ध होंगे शैक्षणिक संसाधन

सफल लॉन्च के बाद अब तक 10 निवेश उत्पाद लॉन्च किये

मुंबई, 12 जनवरी. जियो ब्लैकरॉक इन्वेस्टमेंट एडवाइजर्स ने सोमवार को अपने आधिकारिक वेबसाइट की लॉन्चिंग की घोषणा की.

जियो फाइनेंशियल सर्विसेज और ब्लैकरॉक के संयुक्त उद्यम वाली कंपनी ब्लैकरॉक इन्वेस्टमेंट एडवाइजर्स ने बताया की उसने जियोब्लैकरॉक डॉटकाम के नाम से अपनी वेबसाइट लॉन्च की है. इस पर वह लोगों को निवेश के बारे में शैक्षिक संसाधन और उपयोगकर्ताओं को उत्पाद के अपडेट्स उपलब्ध कराती है. कंपनी ने एक बताया कि यह कदम जियोब्लैकरॉक को उसके निवेश सलाह व्यवसाय के पूर्ण वाणिज्यिक लॉन्च के और करीब ले जाता है.

जियोब्लैकरॉक ने अपनी एसेट मैनेजमेंट कंपनी के सफल लॉन्च के बाद अब तक 10 निवेश उत्पाद लॉन्च किये हैं, और प्रत्येक उत्पाद में निवेशकों ने उल्लेखनीय रुचि दिखायी है.

टीसीएस का प्रॉफिट घटा, 57 रुपये डिविडेंड की घोषणा

मुंबई, 12 जनवरी. टाटा ग्रुप की प्रमुख आईटी कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज ने अक्टूबर-दिसंबर, 2025 तिमाही के वित्तीय परिणाम जारी किए हैं. कंपनी के क्यू 3 नेट प्रॉफिट में 13.91 प्रतिशत की गिरावट देखी गई और यह घटकर 10,657 करोड़ रुपये रह गया, जबकि एक साल पहले इसी तिमाही में यह 12,380 करोड़ रुपये था. हालांकि, ऑपरेटिंग रेवन्यू में 4.86 प्रतिशत की वृद्धि हुई और यह बढ़कर 67,087 करोड़ रुपये हो गया.

बैंकिंग क्षेत्र में तेजी से विस्तार

नई दिल्ली, 12 जनवरी. देश के बैंकिंग क्षेत्र में कोरोना काल के बाद तेजी से सुधार देखने को मिला है और परिसंपत्तियों, जमा तथा ऋण में तीव्र विस्तार देखा गया है.

भारतीय स्टेट बैंक की अनुसंधान इकाई एसबीआई रिसर्च की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि जमा की तुलना में ऋण देने की बढ़ती गति पूंजी की उपलब्धता और जोखिम संबंधी चिंताओं को भी बढ़ा रही है. कई वर्षों की धीमी वृद्धि के बाद बैंकों की परिसंपत्तियों में भी उल्लेखनीय विस्तार हुआ है. यह वित्त वर्ष 2020-21 में सकल घरेलू उत्पाद का लगभग 77 प्रतिशत था जो 2024-25 तक बढ़कर 94 प्रतिशत तक पहुंच गयी. दीर्घावधि परिप्रेक्ष्य में बैंकिंग प्रणाली का आकार कई गुना बढ़ा है. कुल परिसंपत्तियां वित्त वर्ष 2004-05 में 23.6 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर 2024-25 में 312 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गयी हैं, जो आर्थिक विस्तार में बैंकों की बढ़ती भूमिका को दर्शाता है. पिछले दो दशकों में जमा और ऋण में भी तेज वृद्धि हुई है. जमा 2004-05 में 18.4 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर 2024-25 में 241.5 लाख करोड़ रुपये हो गई.

समाचार विशेष

पूर्वांचल फतेह की कवायद शुरू!

164 सीटों का सियासी संग्राम, निर्णायक साबित होंगे पंकज चौधरी?

लखनऊ. यूपी की राजनीति में भारतीय जनता पार्टी का दबदबा भले ही पश्चिम में अधिक दिखता हो, लेकिन सत्ता का सूरज पूर्वांचल से ही निकलता दिखा है. पंकज चौधरी के सामने सबसे बड़ी चुनौती 2026 का पंचायत चुनाव और यूपी चुनाव 2027 है. ऐसे में अब यूपी के नए प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने अपना पूरा फोकस पूर्वांचल पर कर लिया है.

दरअसल, पूर्वांचल की राजनीति अलग है. बड़ी जनसंख्या और जातियों में बंटे सामाजिक ताने-बाने में तमाम राजनीतिक समीकरण धरे रह जाते हैं. 2024 में कद्दावर जातीय नेताओं के शामिल किए जाने के बाद भी भारतीय जनता पार्टी को इस क्षेत्र में बड़ी सफलता नहीं मिल पाई थी. लोकसभा चुनाव 2024 में भारतीय जनता पार्टी के सामने चुनौतियां खड़ी की तो पार्टी एक बार फिर पूर्वांचल की तरफ लौटती दिखी है.

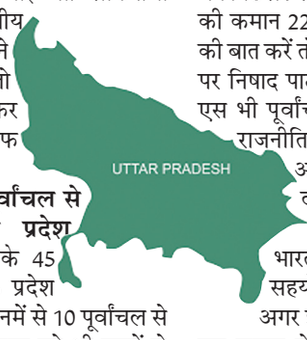

16 में से 10 पूर्वांचल से चुने गए बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष - भाजपा के 45 साल में यूपी में 16 प्रदेश अध्यक्ष बन चुके हैं. इनमें से 10 पूर्वांचल से आते हैं. अगर प्रयागराज को भी इसमें से अलग कर दिया जाए तो खांटी पूर्वांचल के आठ प्रदेश अध्यक्ष चुने गए हैं. पूर्वांचल से बने पिछले 7 प्रदेश अध्यक्षों के हाथों में पार्टी की कमान 22 सालों तक रही है. पूर्वांचल की बात करें तो यूपी में सहयोगी दल के तौर पर निषाद पार्टी सुभासपा और अपना दल एस भी पूर्वांचल में अपनी वोट बैंक की राजनीति करते हैं. भाजपा के साथ अभी पूर्वांचल की राजनीति में दमदार पकड़ रखने वाले अपना दल एस, सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी, निषाद पार्टी सहयोगी के तौर पर हैं. भाजपा अगर इनके साथ समीकरण मजबूत कर चुनाव में उतरती है तो फिर जातीय समीकरणों को साध कर एक बार फिर प्रदेश की सत्ता में लौटने की कोशिश को अमली जामा पहनाया जा सकता है. इसकी जिम्मेदारी पंकज चौधरी पर होगी. भाजपा को इन्हीं दलों के बीच अपनी मजबूत पैठ इन इलाकों में बनानी है, जिसको लेकर खुद पंकज चौधरी पूर्वांचल के गोरखपुर, मऊ, वाराणसी दौरे पर निकले हैं. सूबे की 33 फीसदी सीटें इसी इलाके की हैं.

पूर्वांचल फतेह का रास्ता खोजने निकले पंकज

पूर्वांचल के जातीय समीकरण की वजह से भाजपा इस क्षेत्र पर भरोसा जताती रही है. पश्चिम और प्रदेश के अन्य हिस्सों के मुकाबले पूर्वांचल का राजनीतिक समीकरण बिल्कुल उलट दिखता है. जातियों की संख्या की बहुलता इसे अधिक जटिल बनाती है. तमाम जातियों को पार्टी के पाले में लाने के लिए बीजेपी लगातार प्रयोग करती रही है. अब पंकज चौधरी भी इसी प्रयोग का हिस्सा हैं. कुर्मी जाति से आने वाले पंकज चौधरी प्रदेश की राजनीति में पार्टी का चेहरा बनकर उभरे हैं. ऐसे में अब पंकज चौधरी खुद पूर्वांचल फतेह का रास्ता खोजने निकले हैं.

गोवा में आम आदमी पार्टी को संकट

नई दिल्ली. दिल्ली में सत्ता से बाहर होने और अरविंद केजरीवाल के खुद विधानसभा का चुनाव हार जाने के बाद से आम आदमी पार्टी को कई तरह की मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है.

हालांकि वह गुजरात की विसावदर सीट पर उपचुनाव में जीती और पंजाब में दो उपचुनाव और पंचायत चुनावों में इसे जीत मिली है लेकिन साथ ही नेतृत्व के लिए चुनौतियां भी उभर रही हैं. नेतृत्व की चुनौती इस बार गोवा से आई है. गोवा में आम आदमी पार्टी के अंदर बगावत हो गई है. गौरतलब है कि कुछ दिन पहले अरविंद केजरीवाल ने प्रदेश अध्यक्ष अमित पालेकर को हटाया गया था. अब उन्होंने पार्टी से इस्तीफा दे दिया है. उनके साथ साथ पार्टी के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष श्रीकृष्ण परब ने भी पार्टी छोड़ दी है. कुल पांच लोगों ने पार्टी से इस्तीफा दिया है.

> जानकार सूत्रों का कहना है कि जल्दी ही आम आदमी पार्टी के दोनों विधायक भी पार्टी छोड़ सकते हैं. गौरतलब है कि पिछले विधानसभा चुनाव में बेनोलिम सीट से बेंजी वेगास और वेलिम से क्रुज सिल्वा चुनाव जीते थे. बहरहाल, पालेकर ने पार्टी छोड़ने के साथ साथ अरविंद केजरीवाल और गोवा की प्रभारी आतिशी को एक चिट्ठी भी लिखी है. इसमें उन्होंने केजरीवाल के कामकाज की शैली पर सवाल उठाया है. उन्होंने कहा है कि राज्यों के बारे में भी सारे फैसले ऊपर से लिए जाते हैं और लोकतांत्रिक प्रक्रिया का ध्यान नहीं रखा जाता है.

घोष की खड़गपुर वापसी पर बढ़ी हलचल

खड़गपुर. बंगाल की राजनीति के धुरंधर कहे जाने वाले भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता दिलीप घोष एक बार फिर अपने परंपरागत क्षेत्र पश्चिम मेदिनीपुर में सक्रिय होते नजर आ रहे हैं.

मेदिनीपुर से लेकर खड़गपुर तक लगातार जनसंपर्क अभियान और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से हालिया मुलाकात के बाद उनकी सक्रियता ने यह साफ कर दिया है कि 'दादा' अब अलग-थलग रहने के मूड में नहीं हैं. खड़गपुर को लेकर दिलीप घोष की खुली दावेदारी ने पार्टी के भीतर सियासी तापमान बढ़ा दिया है. हाल ही में मीडिया से बातचीत में दिलीप घोष ने स्पष्ट शब्दों में कहा था, मुझे बर्धमान से लड़ाने की क्या जरूरत थी? खड़गपुर की जनता ने मुझे दो बार जिताया है, सब कुछ समझा दिया है.

पार्टी अगर कहेगी, तो मैं खड़गपुर से ही चुनाव लड़ूंगा. इस बयान के बाद भाजपा के अंदरखाने हलचल तेज हो गई है. राजनीतिक गलियारों में यह सवाल जोर पकड़ने लगा है कि क्या 2026 के विधानसभा चुनाव में भाजपा एक बार फिर खड़गपुर में दिलीप घोष पर दांव लगाने जा रही है.

पेज एक का शेष

नंबर वन अर्थव्यवस्था...

समिट में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग के साथ फेडरेशन ऑफ इंडिया एक्सपोर्ट आर्गेनाइजेशन के साथ पंचवर्षीय एमओयू सहित सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया, कार्वी स्टार्ट-अप लैब्स और स्टार्ट-अप मिडिल ईस्ट के बीच एमओयू भी हस्ताक्षरित किये गये.

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मप्र में स्थापित सफल स्टार्ट-अप पर केंद्रित एक बुकलेट का विमोचन भी किया. मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंच से 4 स्टार्ट-अप के फाउंडर्स को मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना एवं मप्र. स्टार्ट-अप नीति तथा कार्यान्वयन योजना-2025 में क्रमशः बैंक ऋण और निवेश सहायता राशि प्रदान की. जगदीशचंद्र बोस के स्टार्टअप को हमारे लोगों ने पहचान नहीं दिलाई. मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि देश के महान वैज्ञानिक डॉ. जगदीश चंद्र बोस ने सबसे पहले दुनिया को बताया कि पौधों में प्राण होते हैं. (शेष पेज उन्होंने कैस्ट्रोग्राफी के माध्यम से पौधों जीवन से जुड़े कई रहस्यों से पर्दा उठाया था. वैज्ञानिक डॉ. बोस वर्ष 1895 में कलकत्ता में तरंगों की खोज का डेमोस्ट्रेशन किया था. इसके बाद मार्कोनी को इसी खोज के लिए नोबेल पुरस्कार मिला, यद्यपि यह खोज डॉ. बोस ने ही की थी.

अंतर सिर्फ इतना था कि उनके स्टार्ट-अप को हमारे लोगों ने पहचान नहीं दिलाई. उनके कार्य को दो-दो वैज्ञानिकों ने अनुसरण किया. लेकिन अब प्रधानमंत्री मोदी के मार्गदर्शन में देशभर में सभी तरह के स्टार्ट-अप और रिसर्च को प्रोत्साहन मिल रहा है. वर्ष 2022 में इंदौर से इस कार्य के लिए एक पोर्टल लॉन्च किया गया. नवाचारों और स्टार्ट-अप को प्रोत्साहन देने वाली नीतियां मध्यप्रदेश में लागू हैं. आज इंदौर में ही 2200 से अधिक स्टार्ट-अप काम कर रहे हैं. समिट को सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री चैतन्य काश्यप , मुख्य सचिव अनुराग जैन ने भी संबोधित किया.

3 दिन में बदल सकता ...

हर ग्रह का अपना अलग असर होता है। शुक्र सुख, रिश्तों और धन से जुड़ा होता है। सूर्य आत्मविश्वास, सम्मान और पहचान दिलाता है। मंगल ऊर्जा, हिम्मत और मेहनत करने की ताकत देता है। बुध बातचीत, सोचने-समझने की क्षमता और बिजनेस स्किल्स को बेहतर बनाता है। चंद्रमा मन, भावनाओं और अंतर्ज्ञान को प्रभावित करता है। जब ये सभी ग्रह मकर राशि में एक साथ आते हैं, जिस पर शनि का शासन है, तो इसके परिणाम धीरे-धीरे लेकिन मजबूती के साथ मिलते हैं। यह योग अचानक लाभ से ज्यादा लंबे समय की सफलता, अनुशासन और स्थिर प्रगति देता है।

राशि, विशिष्ट भविष्यवाणियाँ और उपाय : मकर राशि के लोगों के लिए यह योग सबसे ज्यादा असरदार हो सकता है। आत्मविश्वास बढ़ेगा, अविवाहित लोगों के लिए शादी के योग बन सकते हैं और करियर या धन से जुड़ी बड़ी सफलता मिल सकती है। नौकरीपेशा लोगों को प्रमोशन या विदेश से जुड़ा काम मिल सकता है। **वृषभ** राशि वालों को विदेश यात्रा के मौके, निवेश से अच्छा फायदा और प्रॉपर्टी खरीदने या बिजनेस बढ़ाने के योग बन सकते हैं। यह समय भविष्य की फाइनेंशियल प्लानिंग के लिए अच्छा है। **सिंह** राशि वालों के लिए करियर में तेज उन्नति, काम की ज़िम्मेदारियाँ बढ़ना और प्रमोशन के योग हैं। सेहत में भी सुधार हो सकता है। सरकारी नौकरी वालों को खास पहचान मिल सकती है। **धनु** राशि वालों को पैसों की स्थिति मज़बूत होने के संकेत हैं। शेयर बाज़ार और म्यूचुअल फंड में सोच-समझकर किया गया निवेश फायदा दे सकता है। विदेश से जुड़े नौकरी या बिज़नेस के मौके भी मिल सकते हैं। **कुंभ** राशि वालों को मानसिक शांति मिलेगी। परिवार में चल रहे पुराने मतभेद खत्म हो सकते हैं। करियर में नई शुरुआत और आध्यात्मिक झुकाव बढ़ेगा। ध्यान और आत्म-चिंतन के लिए यह समय अच्छा है। **मीन** राशि वालों के लिए यह योग धन लाभ, मनचाही इच्छाओं की पूर्ति और पढ़ाई या करियर से जुड़ी अच्छी खबर लेकर आ सकता है। क्रिएटिव क्षेत्र से जुड़े लोगों को बड़े मौके मिल सकते हैं।

शनि की भूमिका : मकर राशि पर शनि का प्रभाव होता है, इसलिए इस योग के फल मेहनत, धैर्य और सही तरीकों से मिलते हैं। यह योग शॉर्टकट से मिलने वाली सफलता के बजाय लंबे समय तक टिकने वाली प्रगति देता है। यह समय लॉन्ग टर्म प्रोजेक्ट शुरू करने, ज़रूरी एग्रीमेंट साइन करने, प्रॉपर्टी में निवेश और उच्च शिक्षा के लिए अनुकूल माना जाता है। साथ ही, यह योग योग, ध्यान और आत्म-अनुशासन शुरू करने के लिए भी अच्छा है।

सभी राशियों के लिए सलाह और सावधानियां : इस दौरान जल्दबाजी में फैसले न लें और बहुत जोखिम वाले निवेश, जैसे क्रिप्टोकरेंसी या सट्टा बाज़ार से दूरी बनाए रखें। यह योग शुभ माना जाता है, लेकिन इसका असर हर व्यक्ति पर उसकी जन्म कुंडली, चल रही दशा और शनि की स्थिति के अनुसार अलग-अलग हो सकता है। जिन लोगों पर साढ़े साती या शनि की महादशा चल रही है, उन्हें विशेष सावधानी रखनी चाहिए।